

18/3/19

पत्रावली पेज हुई। वकील जयपुर 374

पत्रावली पूर्वानुसार वास्तु ~~करी~~ ~~करी~~ ~~करी~~

दिनांक 11/4/19 को पेश है।

सुपरीintendent अधिकारी
जयपुरासराज

11/4/19

पत्रावली पेज हुई। वकील जयपुर
उपरिस्थित वकील जयपुर को
बहस सुनी गई। बहस सुनने
प पत्रावली का अन्वेषण करने
पर जयपुर कंपनी खातेदारी की
जा सीमाकांठ करवाया जाकर पत्परगही
करवाया जाता है। जो जयपुर को
काबूती हक व अधिकार है।
इसीगण्डे प्रस्तुत जयपुर पर अन्तर्गत
धारा 128 एलए और एलए के
स्वीकार किया जाग न्यायोचित
समझते हैं।

उक्त जयपुर द्वारा प्रस्तुत
जयपुर पर अन्तर्गत धारा 128
एलए और एलए को स्वीकार किया
जाता है। यदि धादगस्त अराजी
रकण नं. 1, रकण नं. 2, रकण नं. 3 पुरान
रकण 21.93 वर्ग गज एक कुवासा
पथार क्षेत्र विरासत तहसील जयपुरासराज
जिला जयपुर पर यदि किसी अन्य
न्यायालय का स्थान आदेश न
हो तो तहसीलदार जयपुरासराज को
निर्देश दिये जाते हैं कि वे वादांकित
क्षेत्र को चारों तरफ सीमा चिह्न
अंकित कर पत्परगही करना सुनिश्चित
करें।

पत्रावली फॉसल शुमार होकार
मामर से कम हो वाद क्षति का
इसल हो निर्णय सुनाया गया।

सुपरीintendent अधिकारी
जयपुरासराज

